• बाल कविताएं...

आई नानी...

ओ हो घर में आई नानी,
आज सुनेंगे खूब कहानी।
मुन्नी चुन्नी चम्पा भोला,
नहीं करेंगे अब शैतानी।
झोले में क्या लाई नानी?
गुड्डा काना गुड़िया कानी।
कहां कहां हो आई नानी?
दिल्ली हरिद्वार हल्द्वानी।
नानी ऐसी सुना कहानी,
एक हो राजा एक हो रानी।
हंस-हंस लोट पोट हो जाएं,
या आंखों में आये पानी ।
एक कुंए में थोडा पानी,
उसमें नाचे लाल भवानी।
पहले बूझो यही पहेली,
फिर सुन लेना नई कहानी।

■ श्रीनाथ सिंह

अपना पाठ सुनाओ...

हुआ सवेरा ची-ची करते
नन्हे पंछी बोले -
उठ जा गुड्डू , मुन्नू , पप्पू
अपना मुखड़ा धो ले॥
सूरज की किरणों ने तब
अपना घूंघट सरकाया।
हंस कर बोली भैया अब
खाने का नंबर आया॥
इठला कर तब कहा हवा ने
बस्ता चलो उठाओ।
खोल किताबें पढ़ने बैठो
अपना पाठ सुनाओ॥

■ रंजना वर्मा

• जानकारी...

सबसे महंगी जमीन

दुनियाभर में हर जगह जमीन की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। शहर से लेकर गांव तक हर जगह जमीन की कीमत आसमान छू रही है। यही कारण है कि निवेश करने वाले लोग सबसे अधिक जमीनों में निवेश करना पसंद करते हैं। लेकिन आज हम आपको धरती की सबसे महंगी जमीन के बारे में बताने वाले हैं, जिस जमीन की कीमत सुनकर आप चौंक जाएंगे।

जमीन में निवेश करना फायदा

आज के वक्त आप देखते होंगे कि जिनके पास भी अलग से पैसा होता है, वो सबसे पहले जमीन में निवेश करना पसंद करते हैं। क्योंकि जमीन में निवेश करना हमेशा से फायदेमंद होता है। जमीन की कीमत आज के वक्त हर जगह लगातार बढ़ रही है। देश-विदेश कहीं पर भी जमीन लेने पर उसकी कीमत में लगातार इजाफा हो रहा है।

ये है दुनिया की सबसे महंगी जमीन

दुनिया की सबसे महंगी जमीन की कहानी गुरु गोबिंद सिंह जी के दोनों बेटों साहिबजादे और जोरावर और फतेह सिंह से जुड़ी हुई है। धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक जब बाबा फेतह सिंह और जोरावर सिंह ने इस्लाम कबूल करने से मना किया था, तो मुगलों ने इन्हें दीवार में चिनवा दिया था। वहीं इसके बाद मुगलों ने जब उनके अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं दी थी, तो राजा टोडरमल ने मुगलों से 4 गज जमीन ली थी। उस वक्त राजा टोडरमल ने मुगलों को 4 गज जमीन के लिए 78,000 सोने के सिक्के दिए थे। इस जमीन पर उन्होंने गुरु गोविंद सिंह के दोनों साहिबजादों और माता गुजरी का अंतिम संस्कार किया था। आज इन सोने के सिक्कों की कीमत 4 अरब रुपये आंकी जाती है, यानी 4 गज जमीन की कीमत 4 अरब रुपये हुआ है।

इस देश में बिकी सबसे महंगी जमीन

आज के वक्त हर इंसान चाहता है कि उसका अपना घर और जमीन हो, लेकिन जमीनों की लगातार बढ़ती कीमत के कारण ये सपना हर किसी का नहीं पूरा हो पाता है। सिर्फ भारत ही नहीं दुनियाभर में जमीनों की कीमत आसमान छू रही है, यही कारण एक आम इंसान के लिए जमीन खरीदना मुश्किल होते जा रहा है। बता दें कि कुछ मीडिया रिपोट्स के मुताबिक सबसे महंगी जमीन हॉन्गकॉन्ग में है। दरअसल बीते 2021 फरवरी में यहां एक 1.25 एकड़ का प्लॉट बिका था और उसकी कीमत थी 935 मिलियन डॉलर थी। दावा किया जा रहा था कि ये दुनिया का सबसे मंहगा प्लाट है।

• शेखचिल्ली

सबसे झूठा कौन?

नवाब साहब धीरे– धीरे करके शेख चिल्ली को चाहने लगे थे। उन्हें उसकी सरलता में आनंद आता था। परंतु छोटे नवाब शेख चिल्ली को पूरी तरह बेवकूफ और कामचोर मानते थे। एक दिन उन्होंने भरी सभा में शेख चिल्ली को डांटा और उसका अपमान किया।

झज्जर के नवाब युद्ध लड़ने के लिए कई महीनों से बाहर गए थे। उनकी अनुपस्थिति में उनके छोटे भाई - छोटे नवाब ही राज-पाट का सारा काम संभालते थे।

नवाब साहब धीरे- धीरे करके शेख चिल्ली को चाहने लगे थे। उन्हें उसकी सरलता में आनंद आता था। परंतु छोटे नवाब शेख चिल्ली को पूरी तरह बेवकूफ और कामचोर मानते थे। एक दिन उन्होंने भरी सभा में शेख चिल्ली को डांटा और उसका अपमान किया।

'एक अच्छा आदमी बताए हुए काम से भी कहीं ज्यादा काम करता है और एक तुम हो जो सरल से काम को भी ठीक ढंग से नहीं कर पाते हो' उन्होंने कहा। 'तुम अस्तबल में घोड़ा लेकर जाते हो पर उसे बांधना भूल जाते हो। तुम जब कोई बोझा उठाते हो तो या तो गिर जाते हो या फिर तुम्हारे पैर लड़खड़ाते हैं! तुम जो काम करते हो उसे ध्यान लगाकर क्यों नहीं करते हो!'

'एक अच्छा आदमी बताए हुए काम से भी कहीं ज्यादा काम करता है और एक तुम हो जो सरल से काम को भी ठीक ढंग से नहीं कर पाते हो' उन्होंने कहा...

दरबार में कई सदस्यों को यह सुनकर मजा आया। इस दौरान शेख चिल्ली अपना मुंह लटकाए रहा। उसके कुछ दिनों बाद शेख चिल्ली छोटे नवाब के घर के सामने से होकर जा रहा था जब उसे तुरंत अंदर बुलाया गया।

'किसी अच्छे हकीम को बुलाकर लाओ। जल्दी! बेगम काफी बीमार हैं।'

'जी सरकार' शेख चिल्ली ने कहा और आदेश का पालन करने में फटाफट लग गया। थोड़ी ही देर में एक हकीम एक कफन बनाने वाला और दो कब्र खोदने वाले मजदूर भी वहां पहुंच गए!

'यह सब क्या हो रहा है?' छोटे नवाब ने गुस्से में पूछा। 'यहां तो कोई मरा नहीं है। मैंने तो सिर्फ एक हकीम को बुला लाने के लिए कहा था। बाकी लोगों को कौन बुलाकर लाया है?'

'मैं सरकार!' शेख चिल्ली ने कहा। 'आपने ही तो कहा था कि एक अच्छा आदमी बताए गए काम से भी बहुत ज्यादा काम करता है। इसलिए मैंने सभी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया। अल्लाह करे कि बेगम साहिबा जल्दी से ठीक हो जाएं। पर हारी-बीमारी में क्या हो जाए यह किसे पता!'

छोटे नवाब राज-पाट के काम में ज्यादा रुचि नहीं लेते थे। वो अपना अधिकतर समय शिकार शतरंज या अन्य खेलों को खेलने में बिताते थे। एक दिन उन्होंने एक प्रतियोगिता रखी जिसमें सबसे बडे झूठ बोलने वाले को विजयी घोषित किया जाना था! जीतने वाले को सोने की एक हजार मुहरें भी मिलनी थीं!

कई झूठ बोलने में माहिर लोग इनाम जीतने के लिए सामने आए। एक ने कहा 'सरकार मैंने भैंसों से भी बड़ी चींटियां देखीं हैं जो एक बार में चालीस सेर दूध देती हैं!' -जारी

• चुटकुला...

पति पेप्सी को सामने रख के उदास बैठा था।
पत्नी आयी और पेप्सी पी गयी और बोली–
आज आप उदास क्यूं है?
पती – आज तो दिन ही खराब है!
सुबह तुमसे झगड़ा हो गया, रास्ते में कार खराब हो गयी, ऑफिस लेट पहुंचा। बॉस ने नौकरी से निकाल दिया..
अब सुसाइड करने के लिए पेप्सी में जहर मिलाया था..
वो भी तुम पी गयी!!

• रोचक...

इलेक्ट्रिक रेलवे

भारत में आपने देखा होगा कि आज के वक्त अधिकांश रेलवे रूट पर रेलवे लाइन इलेक्ट्रिक हो चुकी है। हालांकि भारत में रेलवे अभी भी पूरी तरीके से इलेक्ट्रिक रूट पर निर्भर नहीं है। अगर वहीं दुनियाभर के देशों की बात करेंगे, तो दुनिया में केवल तीन देशों में 100 फीसदी रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन है। आसान भाषा में इन देशों में ट्रेनें इलेक्ट्रिक इंजन से चलती हैं। इनमें स्विट्जरलैंड, सिंगापुर और मोनाको शामिल हैं। हालांकि इन देशों का रेल नेटवर्क बहुत छोटा है। इसके अलावा बड़े देशों की बात करेंगे तो रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन के मामले में भारत सबसे ऊपर है। जी हां, भारत के पास अमेरिका, चीन और रूस के बाद दुनिया का चौथा बड़ा रेल नेटवर्क है। लेकिन रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन के मामले में भारत इन देशों से कहीं आगे हैं।

• शीतलहर...

पहाड़ी क्षेत्र से आने वाली ठंडी हवाओं को शीतलहर कहा जाता है। बर्फबारी के बाद शीत लहर काफी तेजी से पहाड़ों से मैदानी क्षेत्र की ओर आती है। यही कारण है कि पहाड़ों पर बर्फबारी होती है। तो दिल्ली में भी तापमान गिर जाता है। बर्फबारी होने से एटमॉस्फेयर में हवा का प्रेशर कम हो जाता है। जिस वजह से दिल्ली और पहाड़ों के आसपास के राज्यों में तापमान में गिरावट देखने को मिलती है। ऐसे में दिन में भी शीतलहर लोगों को परेशान करती है।